# 1. आराधना

## स्वाध्याय

### 1. निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

**1) कवि नित्य कैसी आराधना चाहते है ?**

- कवि नित्य ऐसी आराधना चाहते है जिसमे सत्य, सुंदर और मागल्य की भावना हो |

**2) कवि किसकी मनोकामना चाहते है ?**

- कवि दु:खी लोग दु:खो से मुक्त हों ऐसी मनोकामना चाहते है |

**3) कवि दुर्बलों के रक्षणार्थ किसकी साधना चाहते है ?**

- कवि दुर्बलों के रक्षणार्थ पौरुष की साधना चाहते है |

**4) कवि कीसकी अभ्यर्थना करते है ?**

- कवि सबके जीवन मे नया प्रकाश आने की अभ्यर्थना करते है |

**5) कवि कैसी बंधुता की कामना करते है ?**

- कवि ऐसी बंधुता की कामना चाहते है की जिसमे सच स्वतंत्र होकर भी भाईचारे की भावना से जुड़े हों |

### 2. निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर लिखिए|

**1) कवि कैसे मांगल्य की आराधना करते है ?**

- 'मांगल्य' अर्थात सबका कल्याण | कवि चाहते है की सब लोग सत्य के मार्ग पर चले, सबके मन मे सुंदर विचार आए और सब एक-दूसरे के कल्याण की बात सोचे |
- इस तरहा कवि सबके कल्याण की कामना करते हुए मांगल्य की आराधना करते है |

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

### 2) कवि के अनुसार किसके दु:ख दूर होने चाहिए ?

- कवि के अनुसार लोगो के जीवन मे तरह-तरह के दु:ख है | इन दु:खो से छुटकारा पाने का उन्हे कोई मार्ग नही सूझता | उन्हे दूसरों की सहानुभूति भी नही मिलती | वे स्वयं अपने दु:खो से मुक्त नही हों सकते | ऐसे उपेक्षित और असहाय लोगो के दु:ख दुर होने चाहिए |

### 3) कवि की क्या अभ्यर्थना है ?

- कवि चाहते है की मनुष्य के जीवन मे नया प्रकाश आए | वह नही चेतना का अनुभव करे | उसके हृदय मे सुंदर और नए विचार हों | उसकी सभी आशाए पूरी हों | वह मनुष्यता की पूजा करे | सबा लोगा धीर-वीर बने |

### 4) कवि भेदों को नाश करने की बात क्यों करते है ?

- संसार मे विज्ञान ने बहुत उन्नति कर ली है, फिर भी दुनिया मे ऊंच-नीच, जाती-पाँति, अमीर-गरीब आदि कई भेद है | इन भेदभावों के कारण मानव-समाज मे ईर्ष्या और संघर्ष है | इनके कारण मानव-एकता मे बाधाए आती है और हमारा विश्वबंधुत्व का सपना पूरा नही होता | इसलिए कवि इन भेदो को नाश करने की बात करते है |

## 3. निम्नलिखित काव्य-पंक्तिओ का आशय स्पष्ट कीजिए :

### 1) देहमंदिर, चित्तमंदिर एक ही है प्रार्थना |

**सत्य सुंदर मांगल्य की नित्य हो आराधना ||**

- कवि वसंत बापट बहुता ही उदारहृदय और ऊंची द्रष्टि के कवि है | कवि के चित और देह की बस एक ही प्रार्थना है की लोग अच्छे कर्म करे | सत्य के मार्ग पर चले | उनके हृदय मे शुभ और सुंदर भावनाए हो | लोगा स्वार्थ त्यागकर सबके हित की बात सोचे |

### 2) भेद सभी अस्त होवे, बैर और वासना |

**मानवो की एकता की पूर्ण हो कल्पना |**

**मुक्त हम, चाहे एक ही बंधुता की कल्पना ||**

- आज संसार मे वर्ण-भेद, जाती-भेद, रंग-भेद-आदि कई भेद बने हुए है | ईर्ष्या के कारण उंच-नीच का अंतर बना है | इसलिए मानवजाति मे एकता नही है | संसार मे अशांति और संघर्ष का कारण ये तरह-तरह के भेद ही है | जब तक भेदो का नाश नही होगा, तब तक मनुष्य जाती एक नही होगी |

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

## 4. काव्य-पंक्तिओं को पूर्ण कीजिए :

### 1) देहमदिर,चितमंदिर एक ही है ..... पौरुष की साधना ||

- देहमदिर, चितमदिर एक ही है प्रार्थना |
  सत्य-सुंदर मांगल्य की नित्य हो आराधना ||
  दुखियारों का दु:ख जाए, है यही मनकामना |
  वेदना को परख पाने जगाए सवेदना ||
  दुर्बलों के रक्षणार्थ पौरुष की साधना ||

### 2) जीवन मे नवतेज हो ..... बंधुता की कामना ||

- जीवन मे नवतेज हो, अंतरंग मे भावना |
  सुंदरता की आस हो मानवता की हो उपासना ||
  शौर्य पावे, धैर्य पावे, यही है अभ्यर्थना ||
  भेद सभी अस्त होवे, बैर और वासना ||
  मानवो की एकता की पुर्ण हो कल्पना |
  मुक्त हम, चाहे एक ही बंधुता की कामना ||

## 5. विरुद्धार्थी शब्द लिखिए |

1) दु:ख - सुख
2) जीवन - मृत्यु
3) सत्य - असत्य
4) सुंदर - असुंदर
5) अस्त - उदय

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in